

नाट्यसाहित्यमाला भाग-३

फोल्डर नं.	००२६१८
ग्रन्थ	नाट्यसाहित्यमाला भाग-३
सम्पादक	श्रीमद्विजययोगतिलकसूरिजी
प्रकाशक	वीरशासनम्
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	
पृष्ठ	४८४

मुख्य टाईटल

समर्पणम् -----	३
आशयसर्वस्वम् ईत्यादि -----	५
वैराग्यस्य (रघुविलासनाटकस्य रघुविलासनाटकोद्धारस्य च भूमिका) -----	१४
सर्वाऽपि (मल्लिकामकरन्दप्रकरणस्य भूमिका) -----	१८
पुंसो (चन्द्रलेखाविजयप्रकरणस्य भूमिका) -----	२१
रघुविलासनाटकम् -----	२
परि. १ रघुविलासनाटकगतसुभाषितवचनमृतसंग्रह । -----	६८
परि. २ रघुविलासनाटकम् - श्लोकसूची -----	६९
रघुविलासनाटकम् - अनुवाद -----	७१
रघुविलासनाटकोद्धार । -----	१४४
परि. १ रघुविलासनाटकोद्धार - श्लोकसूची -----	१७९
परि. २ जैनपरंपरायां रामचरितविषयकं साहित्यम् -----	१८१
रघुविलासनाटकोद्धार - अनुवाद -----	१८२
मल्लिकामकरन्दप्रकरणम् । -----	२२१
परि. १ मल्लिकामकरन्दप्रकरणगतसुभाषितवचनमृतसंग्रह । -----	२६७
परि. २ मल्लिकामकरन्दप्रकरणम् - श्लोकसूची -----	२७३
परि. ३ मल्लिकामकरन्दप्रकरणगतालङ्कार -----	२७४
परि. ४ कविवराणां नाटकेषु समानता । -----	२७६
मल्लिकामकरन्दप्रकरणम् - अनुवाद -----	२७८
चन्द्रलेखाविजयप्रकरणम् -----	३२७
परि. १ चन्द्रलेखाविजयप्रकरणगतसुभाषितवचनमृतसंग्रह । -----	३८८
परि. २ चन्द्रलेखाविजयश्लोकसूची -----	३८९
परि. ३ या सा सा सा कथा -----	३९१

परि. ४ सिद्धपुत्रलक्षणस्वरूपवर्णनात्मका सन्दर्भा । -----	३९३
परि. ५ नाटकान्तर्गतानि गूढमन्त्राणि । -----	३९५
चन्द्रलेखाविजयप्रकरणम् - अनुवाद-----	३९६